प्रेस विज्ञप्ति:
  ईश्वर  की अनुपम कृति और बच्चे की प्रथम पाठशाला है - नारी

इंदौर, 7 मार्च। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 7 मार्च,2022 को ’’ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश  भाईजी’’ सभागृह ज्ञान शिखर ओमशांति  भवन में परिचर्चा एवं नारी शक्ति सम्मान का आयोजन किया गया। जिसका विषय था - ’’महिलायें -नये राष्ट्र की ध्वजवाहक’’। इसमें समाज के विभिन्न वर्गो एवं व्यवसायों से जुड़ी महिलाओं ने अपने प्रेरक विचार रखते हुए कहां कि आज नारी किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से पीछे नहीं है। नारी ने जल, थल और नभ तीनों क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। सचमुच नारी ईश्वर  की अनुपम कृति है और बच्चें की प्रथम पाठशाला है जहां से बच्चा संस्कार सिखता है। इसलिए व्यक्ति निर्माण से लेकर विश्व  निर्माण में माॅ की महत्वपूर्ण भुमिका होती है।

इसमें विशेष  रूप से रेलवे एस. पी. निवेदिता गुप्ता ने कहां कि नर और नारी का भेदभाव हमनें ही बनाया है। हमें अपनी मानसिकता को परिवर्तन करके इसे मिटाना है। नये राष्ट्र के निर्माण में नारी को ध्वज बनना है साथ में पुरूषों को भी अपना साथी बनाना है।

इस अवसर पर दीन दयाल उपाध्याय कौश ल केन्द्र की निदेशिका डाॅ. माया इंगले ने सिंधु ताई का उदाहरण देते हुए बताया कि नारी अगर ठान ले तो कैसी भी विपरित परिस्थिति में स्वयं को ढालकर आगे बढ़ सकती है। उसे कोई रूकावट रोक नहीं सकती।

अपने विचार रखते हुए सेन्ट्रल लेब की डायरेक्टर डाॅ. विनिता कोठारी ने बताया कि हमें नये राष्ट्र का ध्वज वाहक बनने के लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना होगा। हमारा इंदौर स्वच्छ इंदौर तो है ही लेकिन अब स्वच्छ इंदौर के साथ स्वस्थ इंदौर भी बनाना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए इंदौर जोन की मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने कहा कि नारी को शिवशक्ति कहा जाता है क्योंकि सर्वशक्तिवान निराकार परमात्मा शिव  जब सृष्टि पर अवतरित होते हैं तो प्रजापिता ब्रह्मा को अपना माध्यम बनाते हैं लेकिन ज्ञान का कलष मातृशक्ति के ऊपर ही रखते हैं। उनके अंदर अपनी शक्ति भरकर सारी सृष्टि को सतयुगी दैवी सृष्टि बनाने का कार्य करते हैं। जो वमर्तमान समय चल रहा है।

कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए वन स्टाफ की प्रशासक डाॅ. वंचना सिंह परिहार ने कहां कि महिलाओं को अपने अधिकार मांगने के साथ-साथ अपने कर्त्तव्य  का निर्वाहन भी करना चाहिए। नारी ही आदि है और नारी ही अंत है, क्योंकि इंसान को जन्म भी माॅ ही देती है और अंत में दाह संस्कार भी धरती माॅ की गोद में ही होता है।

अपने विचार रखते हुए वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी अनिता बहन ने कहां कि महिलाओं को अब आधुनिक पाश्चात्य  सभ्यता से निकलकर आध्यात्मिक शक्ति से सम्पन्न बनाना होगा तभी भारत पुनः विश्व  गुरू , स्वर्णिम भारत बन सकेगा।

इस अवसर पर ज्वाला संस्था की अध्यक्षा डाॅ. दिव्या गुप्ता ने कहां कि नारी सचमुच वो शक्ति  है जिसमें ज्वाला सम तेज है।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्रेमलता  बहन ने सभी को राजयोग की अनुभूति कराई। आरंभ में ब्रह्माकुमारी आकांक्षा बहन ने गीत गाकर मातृशक्ति के प्रति अपनी भावनायें व्यक्त की। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी उषा बहन ने किया। आभार शेल्बी हाॅस्पिटल की फिजिशियन डाॅ शिल्पा देसाई ने किया। अंत में इंदौर शहर की एकमात्र पिंक सिटी बस चालक बहन रीतू नरवाले तथा कोरोना काल में सेवायें देने वाले एम. वाय हाॅस्पिटल, सुपर स्पेशलिटी ,एम. आर. टी वी. सेंटर, सोडानी डायग्नोस्टिक एवं सेन्ट्रल लेब में कार्यरत नर्सेस एवं टेक्निकल स्टाफ की लगभग 15 महिलाओं का शाॅल, माला, पुष्पगुच्छ एवं मोमेन्टों देकर नारी शक्ति सम्मान किया गया जिनके नाम इस प्रकार है-मारग्रेट जोसेफ, सुनिती पाल, टीना गुप्ता, श्वेता गुडवाल, जयश्री चैहान, तुलसी वर्मा,नंदा डामोर, रानी यादव, शिल्पा  सरवटे, ज्येाति चैहान, ईराम जहान शेख, रंजना गहलोत, डाॅ. रंजना हवलदार आदि।

ईश्वरीय सेवा में
ब्रह्माकुमारी अनिता
 ज्ञान शिखर , ओमशांति  भवन
          मो. 94253-16846